

वैधागिक सृजना

पठकों को सुनाने दिया जाता है कि इस अवसर पर प्रकाशित होने वाले सभी विद्यार्थियों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह लें। कोई भी अभिप्राय जो इस अवसर पर प्रकाशित किसी भी विद्यार्थी के संदर्भ में कोई उचित भ्रम हो, किसी विधिकरण में मजबूत पर कोई कार्यवाही हो सकती है।

कहा है कि कोई बचन देता है, तो ऐसा वह स्वयंसेवक सुविधा के अंतर्गत परीक्षा के दौरान, प्रश्नकों, उत्तरों को उम्मीद करके बनेंगे। विद्यार्थियों द्वारा उम्मीद कीले उत्तरों पर सीमा तक मुक्ति देने किसी उद्योग को प्रभावित करेगा। आचार्य के अनुसार, यह विद्यार्थियों द्वारा उम्मीद कीले किसी व्यक्ति को भी नहीं देना है।

एक लाख करोड़ के निवेश की ग्राउंडिंग सेरेमनी तैयारियां जोरों पर

गृहमंत्री अमित शाह होंगे शामिल, सीएम ने समयबद्ध तैयारियों के लिए निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उच्च स्तरीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा वर्ष 2023 में आयोजित ग्लोबल इवेन्ट्स सेमित में हुए 3.5 करोड़ के एमओयू

शाह टाइम्स ब्यूरो देहरादून। हरपुर में अस्तावित 1 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंडिंग सेरेमनी के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को तैयारियों समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भव्य



और प्रभावशाली स्वरूप में आयोजित किया जाए, जिससे राज्य की औद्योगिक प्रगति को नई गति और पहचान मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस भव्य आयोजन में केंद्रीय गृह एवं सहका. मंत्री भी अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। यह आयोजन राज्य के औद्योगिक भविष्य को नई दिशा देगा तथा उत्तराखंड के युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करेगा। वर्ष 2023 में आयोजित

ग्लोबल इवेन्ट्स सेमित के दौरान राज्य सरकार को रुपये 3.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से रुपये 1 लाख करोड़ की ग्राउंडिंग हो चुकी है, जो उत्तराखंड के औद्योगिक विकास के प्रति निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन स्थानीय उद्यमिता को प्रोत्साहन देगा और राज्य की आर्थिक समृद्धि के तत्पश्चात्

सोलेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आयोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सज्जता और समयबद्ध के साथ सुनिश्चित की जाए, जिससे राज्य की सकारात्मक छवि और निवेश-अनुकूल वातावरण को देश-दुनिया के समक्ष सशक्त रूप से प्रस्तुत किया जा सके। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के. सुधाश्री, आर.मोनाली, सुरेश, सचिव शैलेश बगौली, विनय शंकर

श्री कैंचीधाम मंदिर ट्रस्ट ने सीएम आपदा राहत कोष में दिए 2.5 करोड़

देहरादून। शाह टाइम्स। श्री कैंची धाम मंदिर ट्रस्ट ने प्रदेश में आपदा पीड़ित परिवारों को मदद के लिये मुख्यमंत्री राहत कोष में 2.50 करोड़ की आर्थिक सहायता दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सहायता प्रदान करने के लिए ट्रस्ट के प्रयासों को सराहना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम मंदिर ट्रस्ट की ओर से आपदा पीड़ितों को मदद के साथ ही शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में किया जाने वाला सहयोग मानवता की बड़ी सेवा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम में प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत वातावरण की सुरक्षा के लिये कैंची धाम बाईपास के लिए वन भूमि प्रस्ताव को केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से सैद्धांतिक स्वीकृति मिलने के बाद उस सड़क का तेली से निर्माण किया जा सकेगा, जिससे क्षेत्रीय लोगों एवं पर्यटकों को आवाजाही में सुविधा मिलेगी साथ ही कैंची धाम और भवानी के पास लगने वाले जाम से भी मुक्ति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैंची धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये अन्य कई योजनाएं भी क्रियान्वित की जा रही हैं।

पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक धकते, अपर सचिव बंशीधर ए.पी.अंशुमन, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर

यमुनोत्री हाईवे 12 दिनों बाद हुआ बहाल

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। बीते 29 जून को अतिवृष्टि से यमुनोत्री हाईवे भूस्खलन से बंद हो गया था जिससे 12 दिन बाद बहाल कर दिया गया है। लंबे समय समय बंद पड़ी यमुनोत्री हाईवे पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। गुरुवार दोपहर बाद एनएच द्वारा यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग अंजरी के पास बैली ब्रिज का निर्माण पूरा होने वाहनो हेतु यातायात संचालन किया गया है। यात्रा संचालन होने से जिला प्रशासन एवं एन एच बड़काट में राहत की सांस ली है। वहीं उपजिलाधिकारी बड़काट वृजेश तिवारी ने बताया कि गुरुवार दोपहर बाद यमुनोत्री हाईवे यातायात के लिए बहाल हो गया। उन्होंने बताया कि पहले फसे हुए वाहनो को अपर से निकाले जा रहे उसके बाद धाम से निकले भी वाहनो कुछ आवाजाही सुचारु की जा रही है। बता दें कि 29 जून को यमुनोत्री क्षेत्र में अतिवृष्टि से अंजरी में यमुनोत्री



हाईवे का एक हिस्सा बाराआउट हो गया था। जिसके बाद सड़क हिस्से पर बैली ब्रिज लगाने का कार्य बुद्धिमत्ता पर जारी रहा है। बैली ब्रिज का आवरणक सामग्री वाहन द्वारा सिलार्ड बैंड तक पहुंचा दी गई है, धीरे-धीरे आवरणकतन्त्रा अंजरी तक पहुंचाया गया है।

एपर जिलाधिकारी प्रशान्त अग्रवाल भी निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश देते रहे हैं। जिसके बाद आज दोपहर बाद यमुनोत्री हाईवे बहाल हो सका। वहीं सिलार्ड बैंड के पास भी भी भूस्खलन से हाईवे बरिगारस हुई थी जिसे पूर्व में ही यातायात के लिए खोल दिया गया है जिससे क्षेत्र में आवागमन आसिक रूप से बहाल हो सका है।

कोलकाता टीटीएफ में चमका उत्तराखंड पर्यटन



सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत ने खींचा सबका ध्यान

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता देहरादून। उत्तराखण्ड पर्यटन ने कोलकाता में आयोजित तीन दिवसीय ट्रेवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ) में अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक विविधता की भव्य प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। 10 से 12 जुलाई 2025 तक आयोजित इस आयोजन में उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद् ने प्रभावशाली भागीदारी की। भारत के सबसे बड़े ट्रेवल शो नेटवर्क टीटीएफ के इस संस्करण का उद्घाटन बम्पू-करमौर के मुख्यमंत्री उपर अशुला ने किया।

उन्होंने विभिन्न राज्यों के स्टालों का अवलोकन करते हुए उत्तराखण्ड प्रदेय का विशेष दौरा किया और वहां प्रदर्शित प्रचार सामग्री को सराहना की। उत्तराखण्ड टूरिज्म की इस भागीदारी को राज्य की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पर्यटन छवि को मजबूत करने और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी बल्कि पर्यटन आधारित रोजगार के अवसरों में भी इजाफा होगा।

राजस्थान, गोवा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, ओडिशा, तमिलनाडु, दिल्ली सहित लगभग 25 होटल व्यवसायियों ने भी भाग लिया। उत्तराखण्ड टूरिज्म की इस भागीदारी को राज्य की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पर्यटन छवि को मजबूत करने और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी बल्कि पर्यटन आधारित रोजगार के अवसरों में भी इजाफा होगा।

इलेक्ट्रिक वाहन (मैयूफैक्चरिंग एंड परचेजिंग) पॉलिसी-2025 हो रही तैयार

ग्रीन परिवहन की अवधारणा के प्रावधान हों पॉलिसी में शामिल: वर्धन



शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनो के संचालन एवं निर्माण के लिए नीति तैयार की जा रही है। नीति का द्राफ्ट बनकर तैयार हो गया है। मुख्य सचिव आनंद वर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में परियोजना विभाग और संबंधित अधिकारियों द्वारा उत्तराखंड की इलेक्ट्रिक वाहन (मैयूफैक्चरिंग एंड परचेजिंग) पॉलिसी-2025 का द्राफ्ट प्रस्तुत किया गया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में द्राफ्ट किया गया प्रस्तुत

उत्तराखंड में इलेक्ट्रिक वाहन के अनुकूल इकोसिस्टम तैयार करने के उद्देश्य से तैयार की जा रही है। नीति पॉलिसी के विभिन्न आयामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने परियोजना विभाग व संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उत्तराखंड में

इलेक्ट्रिक वाहनो के लिए अनुकूल वातावरण: पांडेय

सचिव विनय शंकर पांडेय और परियोजना विभाग द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि उत्तराखंड में इलेक्ट्रिक वाहन के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए इस पॉलिसी में मैयूफैक्चरिंग से लेकर उपयोग, संचालन और चार्जिंग स्टेशन स्थापन प्रोत्साहित के लिए बेहतर इंसोर्टिव का प्रावधान किया जा रहा है। कहा कि इस पॉलिसी में कार्बन क्रेडिट बेनिफिट के लिए प्रेरक इंसोर्टिव, ईम्यूटी साइड और उपयोगिता साइड के लिए इंसोर्टिव, कैपिटल सब्सिडी, स्टाम्प ड्यूटी, व्याज सब्सिडी, भूमि रिबेंट, रिसर्च एंड डेवलपमेंट फंडिंग इत्यादि सभी के लिए इंसोर्टिव का प्रावधान की बात है। इसमें वाहन की अलग-अलग श्रेणी टू.व्हीलर, थ्री व्हीलर, फोर व्हीलर, ई बस इत्यादि के क्रम में इंसोर्टिव का प्रावधान शामिल होगा। उन्होंने अग्रगत कराव कि भारत में कुल वाहनो की संख्या 34 करोड़ है। जिसमें 61.65 लाख इलेक्ट्रिक वाहन शामिल है। उत्तराखंड में कुल वाहन 4215496 हैं जिसमें कुल इलेक्ट्रिक वाहन 84614 हैं।

बेहतर इकोसिस्टम डेवलप हो सके। उन्होंने बेहतर इंसोर्टिव के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहन को अनुकूल में आने वाले अवसरों के त्वरित समर्थन के लिए पॉलिसी में प्रभावी और त्वरित निगरानी तंत्र का







COMBAT READY CREDIBLE COHESIVE AND FUTURE READY FORCE

Safeguarding National Maritime Interests - Anytime - Anywhere - Anyhow






THE INDIAN NAVY 10+2 (B.TECH) CADET ENTRY SCHEME (PERMANENT COMMISSION) COURSE COMMENCING – JAN 2026

Applications are invited from unmarried men and women candidates (fulfilling the conditions of nationality as laid down by the Govt. of India) for becoming Permanent Commissioned Officers in Executive and Technical Branches under 10+2 B Tech Cadet Entry Scheme after undergoing four year B Tech course at the prestigious Indian Naval Academy, Ezhimala.

DATE OF OPENING – 30 Jun 2025 | LAST DATE FOR ONLINE APPLICATION – 14 Jul 2025

Vacancies & Age: The age eligibility & vacancies for the course are as under:-

Branch	Vacancy	Gender	Age
Executive & Technical	44	Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)	Born between 02 Jul 2006 and 01 Jan 2009 (both dates inclusive)

(*Branch allocation viz Executive & Technical (Engineering & Electrical) will be undertaken at INA.)

Educational Qualification: Passed Senior Secondary Examination (10+2 Pattern) or its equivalent examination from any recognised Board with at least 70% aggregate marks in Physics, Chemistry and Mathematics (PCM) and at least 50% marks in English (either in Class X or Class XII).

For eligibility criteria and details visit www.jionindiannavy.gov.in

Employment News Dated 21st June 2025






एक व्यक्ति की मौत, दस लोग घायल, आयुक्त, डीएम व एसएसपी ने घायलों का हाल जाना

आपका विश्वास जा जा उन्ही कहा कि मुखरणी की सी बातों हो गयीं। मुखरणी की भी घटना पर स्वस्थ खबर मिली है उन्ही कहा कि विश्व की धायल को उभारने उन्ही भोजा विश्वविद्यालय लम्बाना पड़े तो भोजा जायगा। आयुधन नये दहन को कह करने उन्ही विश्वाधिकाधिका को निरिदर जा, विश्वाधिकाधिका निरिदर हिंद भरीदरि न कहा कि धायल का हर सम्भन हीनज किया जायगा। उन्ही मुखरणी विश्वाधिकाधिका को निरिदर भोजा उन्ही नये नये तथा धायल को व्यस्थार पर नये रखने के धायल जा, विश्वाधिकाधिका नये सूर्य पेशीकी में घटना को रखने उन्ही भोजा हीनज उन्ही उन्ही उन्ही भोजा। इस दुरीन माहारी दीक भया। हीद्रीम प्रमन उन्ही उन्ही, हीद्रीम प्रमन प्रमन हिंद अहिंद रहे।

[illegible]

देते हुए मिष्ठान वितरण किया। बलवंत सिंह ने कहा कि विशाखा खेतवाल ने इ.पंचायत चुनाव में पूर्व कैबिनेट मंत्री बलवंत सिंह भौर्याल, विधायक सुरेश गढ़िया, राज्य मंत्री भूपेंद्र उपाध्याय, जिलाध्यक्ष प्रभा गढ़िया के सानिध्य में भारतीय जनता पार्टी शामिल हुई थी।

चुनाव प्रचार

नैरान हूँ श्री।

दौरान मारपीट

मैं प्रचार प्रसार कार्यका कार्यकर्ता को भारी सिर में पथर से हमला कर मारतुआना प्रयास लाया था। यहाँ चारघर के सिर में चलाया। मुनाकुरी हतमसी के ग्राम सुनिल पंथ के पथी अने अग्रजोरी के थर में पंथ रंग रंग थी। नमो दुस्स प्रजोरी में फल्ले शरिश को पथी पथी के नमने पर उमने नमने को उमने सिर में हमला कर दिया।

लट्टासांड

[illegible]

चुनावों से जन्ता का मोह हुआ भंग: माहारा
गनीखेता। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कर्तन माहारा ने जिससेही पंचायत चुनाव को लेकर नाराज बनेंगे व निराशा साधे। कहें कि मानसून मौसम में चुनाव के होने से हर तहत नाराज हैं। गुलबर्गा को जिला के लिए बयान में माहारा ने कहा कि सरकार ने जिन बुद्धक प्रस्तावक बैठारक ऐसे स्थिति दिए कि लोगों को भारी जागरूक के बीचा पंचायत चुनाव में प्रतिभाग करार पड़ रहा है। कहा कि ग्राम सभाओं में बाईड कि लगभग 55,500 रु न्यारा स्टैंड है, जिसके साक्षर लगभग 28,200 के करीब ही मानकन रु है। जिससे साक्षर होता है कि चुनावों को लेकर लोगों में निराशा है। चुनाव आयोग द्वारा भी नहीं गाइडलाइन जारी कर निर्मातों का उत्पन्न किया गया है। कहा कि भाषा को ऐसी नीतियों का प्रजातंत्र और लोकतंत्र के लिए ठीक संस्था रहा जा रहा है।

3 मकान मालिकों पर 30 हजार का जुर्माना
अन्वयः। एमएलपी देवेंद्र यांचे ने समस्त चलाया भूमिाली को अन्वय में रह्य सव्यापन अधिन्याय सलकर सवियर को जिव्हद सलर करविय कने के निरुधर दिहय। मिरी जलकर की अन्वय अरु सवियर अपुसल हरव्य सिय वसीओ नालक सने जोगी को परवसलक में भुमरी मिश्रलक योगेग रहे उपाध्याय के नुतुम में चौकी भुमरी धातुनली अने कल्लम कदरारा 03 चौकी धातुनली ठाणे में सव्यापन अधिन्याय चलाया जल। इने दुरा 03 मकान मालिकों धाणे अरु निरुधरदुरा को सव्यापन नुह करवया ज। जिस पर सुलस में मकान मालिक के निरुधर सुलस ओधनिधम ने केदत करवया 30 हजार रुपय को काटे को सव्यापन कियवया। सलधे भुमिय में रखे जल वलर कियदुरा को समुय से चलाय कने निरुधर हियदुरा दिहय।

शाबाक को अवैध बनाकर चुनाव के रुटिन्ग एसएमपी देवेंद्र चौधरी ने अवैध मार्ग परधायी की किसी व तकली को रोखायाम व आयुधवस्त्र को गिरफ्तारी के सहज निरीक्षण दिए। मिर्जा नाथकांके अनुसार थानाध्यापकलालजीबनबनबनने के नेतृत्व में टोटा द्वाग्रा बलवाना तहियार पर चौकिंग के दौरान आयुधवस्त्र विखरव देव विनासी ग्राम पेशांराल को 52 पन्थे कुल 13 बोलतुप अवैध देशी शस्त्रांर का साथ गिरफ्तार किया है। यहाँ, एक एक मामला में थानाध्यापक दन्या सखसिंह सिंह के नेतृत्व में प्रभारी चौकी जाणियर एसआर भावना देवी गोस्वामी देवा चौकिंग के दौरान 52 जाणियर तहियार से आयुधवस्त्र सहज सिंह नेने विनासी ग्राम मुख्यांराल को 100 भावना देवी गोस्वामी के साथ गिरफ्तार किया है।

विद्याथीया का प्रतापतिथ कपनी न चयन
परनरनरन। विरुवविवालय क संयोजन चयन परामर्श निरुवशनरु दुरा अरुवविवालय मुयुयनरु परीशन अरु साक्षात्कार क बार नरु विरुवविवाथी का चयन मरुनरु क 12 नरुनरु ससिषनरु विरुवविवाथी मिनिमरुड नरु इरु अरु। चयनरु निरुवशनरु मुयुयनरु नरु सजन चयन, अरुविका ररुवशरु, रिमानी कुरनरु, अरुव अरुती खान, शीरुय नरुनरु चयन, अरुविका ररुवशरु अरुवरी अरुवरी चरुविलरुव शरुवशरु अरु। इरु विरुवविवाथी का प्रतापतिथ क बार ररुवशरु 6 लाख प्ररुवशरु का पैकन अरु अन्य सुविधाएँ रु जाएँगी। विरुवविवालय क ककुपति का नरुनरुनरु इरु चयनरु निरुवशनरु क ररुवशरु क सी सहनरु का अरु चयनरु निरुवशनरु का शुकामनरुनरु अरु। संयोजन चयन परामर्श निरुवशरु का, एमएन नरुनरु अरु सन निरुवशरु का, गीता पाठक नरु मी विरुवविवाथी का उरुववशरु पथरु का शुकामनरुनरु अरु।

14 वर्षीय छात्र लापता, गुमशुदगी दर्ज
काशीपुर। उदयरज हिन्दू इंटर कॉलेज का 9वां क्लास का छात्र लापता हो

गंगा का पानी तो देखकर के आनंद कर चुले। मैंने मुँह खोलकर कहा कि तबला शुरू कर दो। लक्ष्मीपूजा नेटी नवमी। पूरे सिंह पूत्र राजेश सिंह ने पुलिस को हॉटलर देकर बताया कि उसका 14 वर्षीय पुत्र आयुष उदयरदास हिन्दू इंडर का कंपनी में कक्षा 9 में पढ़ता है। 9 जुलाई को रंगना को तह दे डाल कर पढ़ा कर तथा स्कूल का बैग लेकर स्कूल जाने के लिये सुबह करीब सात बजे वह घर से निकला। स्कूल से छुट्टी के बाद जंग सात का 4 बजे एक घर नहीं पहुँचने पर उसकी खोजवनी को माँ। स्कूल से सात करने पर क्लास टीचर द्वारा बताया गया कि आज आयुष स्कूल नहीं आया।

[illegible]

Downloaded from ascelibrary.org by University of California, San Diego on 06/01/15. Copyright ASCE, For All Rights Reserved, No part of this document may be reproduced without written permission from ASCE.

[illegible]

रोक से इन्कार

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है। कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस पर रोक लगाने के लिए याचिकाएं दायर की हैं। याचिकाकर्ताओं ने कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल, टीएमसी की सांसद मऊआ मोइना, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज कुमार झा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सामंत, झामुमो के सांसद सरफराज अहमद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के दीपांकर भट्टाचार्य ने याचिकाएं दायर कर दावा किया है कि चुनाव आयोग का यह कदम संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 325 और 326 के साथ-साथ जनप्रतिधत्व अधिनियम 1950 और मतदाता पंजीकरण 1960 के नियम 21 ए के प्रावधानों का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यदि इस आदेश को रद्द नहीं किया गया, तो मनमाने ढंग से उचित प्रक्रिया अपनाए बिना लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधियों को चुनने से वंचित किया जा सकता है। इससे देश में स्वतंत्र चुनाव बाधित होगा और लोकतंत्र कमजोर हो सकता है। गुरुवार को न्यायमूर्ति सुधांशु धुलिया और न्यायमूर्ति बागची की अंशकालीन कार्यदिवस की पीठ ने इस पर सुनवाई की। पीठ ने विशेष गहन पुनरीक्षण पर अंतरिम रोक लगाने से इन्कार किया। साथ ही चुनाव आयोग से मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, पहचान पत्र को अनुमति देने पर विचार करने को कहा और इस मामले की सुनवाई के लिए 28 जुलाई तय की है। उससे एक सप्ताह पहले 21 जुलाई तक चुनाव आयोग से हलफनामा दायर करने को कहा। साथ ही माना कि मामले की सुनवाई जरूरी है और इसे उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए। अदालत ने बार-बार चुनाव आयोग से पूछा कि वह पहचान साबित करने के रूप में एक साधन के रूप में आधार को कैसे अस्वीकार कर सकता है। साथ ही पुनरीक्षण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समय सीमा पर सवाल उठाए और कहा कि यह सीमा बहुत कम है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 24 जून को बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के आदेश दिए थे। तमाम विपक्षी दल चुनाव आयोग के इस फैसले को एक षड्यंत्र के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने नौ जुलाई को बिहार बंद रखकर जमकर प्रदर्शन भी किया था। असल में सारा बखड़ा इस बात को लेकर भी है कि मतदाताओं को नए सिरे से अपनी पहचान बतानी होगी और अपनी पहचान बताने के लिए दस्तावेज भी देने होंगे। दिलचस्प बात यह है कि इस पहचान में आधार कार्ड, राशन कार्ड जैसे बेसिक दस्तावेजों को पहचान से अलग रखा गया है। इससे यह आशंका पैदा हो रही है कि गरीब, दलित वर्ग के लोगों को एक तरह से षड्यंत्र के तहत चुनाव प्रक्रिया से अलग रखने की कोशिश की जा रही है। यह आशंका गलत भी नहीं है और यह प्रक्रिया एक महीने में पूरी होनी है इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। बिहार में इसी वर्ष के अंत में चुनाव होने हैं। यह ठीक है कि फिल्हाल इस आदेश पर अदालत ने रोक नहीं लगाई लेकिन सुनवाई जारी है। देखना है इस पर क्या फैसला आता है।

लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए

इमरजेंसी को सिर्फ भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में याद नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इससे सबक लेना जरूरी है, नसबंदी अभियान को मनमाना और क्रूर फैसला था, अनुशासन और व्यवस्था के लिए उठाए गए कदम कई बार ऐसी क्रूरता में बदल जाते हैं, जिन्हें किसी तरह उचित नहीं कहा जा सकता, संजय गांधी का जबनर नसबंदी अभियान चलाने का फैसला क्रूरता का उदाहरण बन गया, गरीब ग्रामीण इलाकों में टारगेट पूरा करने के लिए हिंसा और दबाव का सहारा लिया गया, नई दिल्ली जैसे शहरों में बेरहमी से झुगियां तोड़ी गईं। हजारों लोग बेचर हो गए। उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया, लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए, यह एक बहुमूल्य विरासत है, जिसे लगातार संरक्षित करना जरूरी है।

-शशि थरूर, कांग्रेस सांसद



विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई पर विशेष

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं।

बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए, लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जिरा ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच

वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है, लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अधोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिए से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी

अपना मेकअप लगाने के बाद इसे मेकअप सेटिंग स्प्रे से सेट करना न भूलें। एक सेटिंग स्प्रे अंतिम टच-अप के रूप में काम करता है और आपके मेकअप को बनाए रखने में मदद करता है। यह त्वचा को चमकदार बनाता है और आपकी त्वचा का मेकअप ज्यादा लंबे समय तक चलता है। इसलिए एक बेहतरीन सेटिंग स्प्रे से अपने लुक को पूरा करें।

बारिश के मौसम में वाटरप्रूफ मेक-अप



शहनाज हुसैन

महिलाओं को मेकअप करने का काफी शौक होता है, लेकिन बारिश के मौसम में अगर बाहर निकलते हुए भीग जाएं तो मेकअप को संभालना काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है क्योंकि मानसून में नमी और पसीने के कारण मेकअप पिघल या फैल जाता है और स्किन काफी चिपचिपी सी दिखने लगती है। ऐसे में मेकअप लगाना काफी तनावपूर्ण हो सकता है।

इसलिए बारिश के मौसम में घर से बाहर निकलने से पहले मेकअप के लिए जरूरी टिप्स आप जरूर जान लीजिए ताकि आपका मेकअप खराब न हो।

1. हाइड्रेटिंग प्राइमर का इस्तेमाल करें
मानसून में मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ने से आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय हो जाती है। इसलिए त्वचा को मॉइस्चराइज करने और मेकअप को मैल्ट होने से बचाने के लिए मेकअप करने से पहले हाइड्रेटिंग प्राइमर लगाएं।

2. त्वचा की उचित देखभाल

बदलते मौसम में डेली स्किन केयर रूटीन को फॉलो करना जरूरी है। आप फेस क्लीनिंग के बाद मॉइश्चराइजर लगाएं और सनस्क्रीन लगाना न भूलें लिक्विड या क्रीम फाउंडेशन के बजाय ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर का हल्का कोट लगाया जा सकता है, टच अप के लिए हल्का कॉम्पैक्ट पाउडर लगा सकती हैं।

कुछ लोग गर्मी में स्किन को कभी भी मॉइस्चर नहीं करते हैं, इससे चेहरा पर पसीना आता है और आपका मेकअप फेलने लगता है। आपको ऐसा मॉइश्चराइजर चुनना चाहिए, जो ऑयल फ्री और नॉन कॉमेडोजेनिक हो इनके इस्तेमाल से पोर्स बंद नहीं होते हैं और स्किन भी हाइड्रेटेड बनी रहती है। यदि आप घर पर हैं तो मेकअप अप्लाई करने से पहले फेस को जरूर मॉइस्चर करें। स्किन केयर रूटीन को स्किप करने की गलती नहीं करें।

3. बारिश के मौसम में कम से कम मेकअप करें और इसे अच्छे से ब्लेंड करें। नेचुरल तरीकों से ग्लो बढ़ाने की कोशिश करें। मानसून में हैवी मेकअप पसीने और नमी की वजह से जल्दी फेल सकता है, ऐसे में लाइट और वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करें ताकि स्किन को सांस लेने का मौका मिल सके और पिंपल्स न निकलें।

4. वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट चुने
बारिश और नमी के कारण मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए वाटरप्रूफ फाउंडेशन, काजल और मस्कारा का उपयोग करें। ये प्रोडक्ट मेकअप को लंबे



समय तक टिकाए रखते हैं। क्रीम आधारित सौन्दर्य उत्पादों की जगह पाउडर आधारित सौन्दर्य उत्पादों का उपयोग करें। लूज पाउडर के बजाय कॉम्पैक्ट पाउडर लंबे समय तक चलता है और एक स्मूथ फिनिश देता है। मेकअप को टच देने के लिए कॉम्पैक्ट पाउडर कैंरी करें।

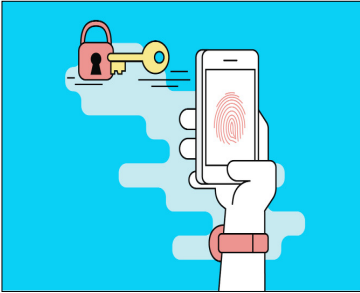
5. मानसून के दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपका ब्लश सौम्य और परिधान को सूट करते हुए होना चाहिए। पाउडर आईशैडो खरीदें क्योंकि यह क्रीम आई शैडो के मुकाबले ज्यादा देर तक टिके रहते हैं। हल्का रंग का थोड़ा सा आई शैडो लगाएं।

6. अच्छी गुणवत्ता के उत्पाद उपयोग करें
मानसून मौसम के दौरान अच्छी गुणवत्ता के मस्काराए, फाउंडेशन, लिपस्टिक, आई लाइनर और हाइलाइटर जैसे सौन्दर्य उत्पादों का उपयोग करें। (लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय हैं)

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का उपयोग चिंताजनक

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकॉरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफॉर्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है।

इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलॉजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में चलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुंच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अब-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। इस समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे



आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रूख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकीयों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केंस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शक्स ने इंटरनेशनल थर्ड पार्टी ट्रांजेक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद

मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है, लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीदारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिन्हित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा

आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकीयों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकॉरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। यह माध्यम उन्हें सरकार की जरूरतों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्जर्वैशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। गजवा-ए-हिंद जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफॉर्म पाकिस्तानी जमीन



ललित गर्ग

से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं। भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें। क्रिप्टो ट्रांजेक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी दृष्टि विकसित करें।

(ये लेखक को निजी विचार हैं)

अमेरिकी टैरिफ नीति: भारत के लिए सौगात

नई दिल्ली। अमेरिका की नई टैरिफ नीति भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका भारत पर तय टैरिफ से कम टैरिफ लागू कर सकता है। वहीं दूसरी तरफ इंडो-पैसिफिक के कई देशों को भारी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। इससे भारत में विदेशी निवेश के अवसर बढ़ सकते हैं और देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को मजबूती मिल सकती है।

अरिहंत कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत कई अन्य एशियाई देशों की तुलना में अमेरिका के नए टैरिफ सिस्टम में बेहतर स्थिति में है। इससे भारत के पास निवेश को आकर्षित करने और मैन्युफैक्चरिंग बढ़ बनने के लिए बड़ा मौका है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों को जहां अधिक टैरिफ श्रेयना बढ़ रहा है।

भारत द्विपक्षीय समझौतों और ग्लोबल ट्रेड फ्लो में बदलाव का लाभ उठा सकता है। ट्रम्प ने 8 जुलाई को जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग को औपचारिक लेटर भेजकर टैरिफ की जानकारी दी थी। बाद में मलेशिया और कजाकिस्तान को भी इसी तरह के लेटर

रिपोर्ट में दावा: भारत को निवेश हब बनने का मौका



ब्राजील के राष्ट्रपति ने 50 प्रतिशत टैरिफ पर ट्रम्प का किया विरोध

ब्रासीलिया। ब्राजील के सामानों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का विरोध करते हुए राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लुला दा सिल्वा ने कहा है कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है जिसके पास स्वतंत्र संस्थाएं हैं और वह 'किसी भी प्रकार की नसीहत नहीं स्वीकार करेगा'। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर ट्रम्प की टिप्पणी का जवाब देते हुए लुला ने जोर देकर कहा कि ब्राजील एक संप्रभु राज्य है और अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं या न्यायिक प्रक्रियाओं में बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। लुला ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बुधवार को सोशल मीडिया पर दिए गए सार्वजनिक बयान को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित बातों पर प्रकाश डालना जरूरी है कि ब्राजील एक संप्रभु राष्ट्र है जिसके स्वतंत्र संस्था हैं और वह किसी भी प्रकार की नसीहत स्वीकार नहीं करेगा। अमेरिका और ब्राजील के बीच व्यापार असंतुलन को सिर से खारिज करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि टैरिफ वृद्धि का मसला ब्राजील के आर्थिक पारस्परिक कानून के अनुसार निपटारा जाएगा।

भेजे गए। हालांकि भारत को अभी तक भारत के लिए अच्छा संकेत बताया गया ऐसा कोई लेटर नहीं मिला है। रिपोर्ट में इसे है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अमेरिका

■ कई अन्य एशियाई देशों की तुलना में अमेरिका के नए टैरिफ सिस्टम में बेहतर स्थिति में
■ कई देशों पर 22 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए गए

भारत को स्ट्रैटिजिक पार्टनर होने के नाते रियायत दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की इस नई टैरिफ नीति के चलते भारत की स्थिति बाकी देशों की तुलना में मजबूत है।

इसका फायदा उठाकर भारत ग्लोबल सप्लाय चैन का अहम हिस्सा बन सकता है। भारत की 'चाइना+1' रणनीति, पीएलआई योजनाएं और ट्रेड डीलस की वजह से भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटो और टेक्स्टाइल जैसे क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने का मौका देगा। बता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 14 देशों पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की। इनमें कई देशों पर 25 प्रतिशत से लेकर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए गए हैं।



नई दिल्ली। विजय चौक पर बारिश से बचने के लिए छाता लगाकर जाते यात्री।

ट्रम्प पर हमले के मामले में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट सस्पेंड

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पिछले साल हुए जानलेवा हमले के दौरान सुरक्षा में चूक के आरोप में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट्स को सस्पेंड कर दिया गया है। यह जानकारी एबीसी न्यूज ने अधिकारियों के हवाले से दी है। यह कार्रवाई ट्रम्प के हमले का एक साल पूरा होने से 4 दिन पहले हुई है। पेनसिल्वेनिया के बटलर में 13 जुलाई 2024 ट्रम्प पर गोली चलाई गई थी। यह गोली ट्रम्प के कान को लगती हुई निकल गई थी और वह घायल

■ लापरवाही का आरोप, पिछले साल कान को छूकर निकली थी गोली

हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरी कॉम्पराटोर की मौत हो गई थी। जबकी कार्रवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स (20 वर्ष) को गोली मार दी थी। सस्पेंड किए गए एजेंट्स को अपील का अधिकार दिया गया है।

खामेनेई के सलाहकार की ट्रम्प को ड्रोन हमले की धमकी

वॉशिंगटन/तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने 8 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर ड्रोन हमले की चेतावनी दी।

लारीजानी ने एक टी.वी चर्चा के दौरान हंसते हुए कहा: अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में धूप सेंकते समय एक माइक्रो-ड्रोन निशाना बना सकता है। उन्होंने कहा ट्रम्प अब मार-ए-लागो में धूप नहीं सेंक सकते, क्योंकि जब वे लेंटे होंगे, तो कोई माइक्रो-ड्रोन उन्हें निशाना बनाकर सीधे उनकी नाथि पर हमला कर सकता है। वहीं, ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में इस बारे में पूछे जाने पर कहा-मुझे धूप सेंकना पसंद नहीं, शाद्व आखिरी बार मैंने 7 साल की उम्र में धूप में बैठा था। ट्रम्प बोले वो इस बयान को बड़े खतरे के तौर

■ कहा: धूप सेंकते समय माइक्रो-ड्रोन नाथि पर गिर सकता है, ट्रम्प बोले: धूप सेंकना पसंद नहीं

पर नहीं देखते। खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने ट्रम्प पर ड्रोन हमले की चेतावनी दी।

लारीजानी के इस बयान को लेकर स्थानीय मीडिया ने एक रिपोर्ट में 'ब्लड पैक्ट' नामक एक ऑनलाइन क्राउड फंडिंग अभियान से जुड़े होने का दावा किया। ये अभियान खामेनेई का अपमान करने वालों के खिलाफ बदला लेने के लिए फंड जुटा रहा है। जिसके बारे में दावा किया गया है कि 8 जुलाई तक इसने 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि जुटा ली है। अमेरिका ने 22 जून को ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया था।

लाल सागर में मालवाहक जहाज पर हूती विद्रोहियों का हमला

यरुशलम/सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में 'इटरनिटी सी' जहाज पर हमला कर उसे डूबाने का दावा किया। यूरोपीय संघ नौसैनिक बल ने बताया कि डूबे 'इटरनिटी सी' जहाज के क्रू मेंबर्स के छह सदस्यों को बचाया गया और अन्य 15 अभी भी लापता हैं। यह जानकारी अल जजीरा ने गुरुवार को यूरोपीय संघ के नौसैनिक बल के हवाले से दी। पिछले कुछ दिनों में यह इस तरह का दूसरा बड़ा हमला है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को हुए इस हमले में यूनान के स्वामित्व वाला जहाज इटरनिटी सी के डूबने से कम से कम चार नाविकों की मौत हो गई तथा 15 अन्य लापता हो गए। हूती ने एक बयान में कहा कि इटरनिटी सी जहाज पर हमला एक मानवर्षा हत नाव और मिसाइलों का उपयोग कर किया गया था।

कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग अज्ञात हमलावरों ने कई राउंड गोलियां चलाईं

■ तीन दिन पहले हुआ था उद्घाटन

ओटावा। कनाडा में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग हुई। तीन दिन पहले ही कैफे का उद्घाटन हुआ था। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने कैफे पर कई राउंड गोलियां चलाईं। हालांकि अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। कपिल शर्मा का यह कैफे कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सर्रे में स्थित है। इसका नाम 'कप्स कैफे' है। इस कैफे के जरिए कपिल शर्मा ने रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में कदम रखा है। उनकी पत्नी गिन्नी चतुर्थ भी इससे जुड़ी हैं। रिपोर्ट्स का दावा



है कि खालिस्तानी आतंकवादी और नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी (एनआईए) की लिस्ट में भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में शामिल हरजीत सिंह लाडी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। गोलीबारी के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि हरजीत सिंह लाडी ने एक कॉमेडी शो के

अमेरिका से नए शुल्क मसले पर वार्ता करेगा मेक्सिको

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा है कि मेक्सिको का एक प्रतिनिधिमंडल अगले सप्ताह वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात कर नए व्यापार शुल्कों पर बातचीत कर बेहतर समाधान का प्रयास करेगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए आयात शुल्क पर उन्होंने यह प्रतिक्रिया व्यक्त की है। शीनबाम ने बुधवार को अपनी दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को वॉशिंगटन डीसी जाएगा। शीनबाम ने कहा कि इस सप्ताह हमारी एक टीम इस वैश्विक समझौते पर काम करने के लिए अमेरिका की यात्रा पर जा रही है। हमने इस मामले में राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ जी7 में चर्चा की थी। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की अनुवाई वित्त मंत्री मार्सेलो



■ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए आयात शुल्क पर शीनबाम ने यह प्रतिक्रिया व्यक्त की

एबराई करेंगे और इसमें वित्त और विदेश मामलों के सचिवालयों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस वार्ता का एजेंडा मुक्त व्यापार पर मौजूदा अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) से कही व्यापक होगा जिसमें सुरक्षा, आब्रजन और व्यापार के तीन प्रमुख मुद्दों पर व्यापक रणनीतिक सहयोग पर बात की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया ने AI की मदद से नया सिंथेटिक प्रोटीन बनाया

कैनबरा। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से एक सिंथेटिक प्रोटीन बनाया है जो ई. कोलाई जैसे एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी बैक्टीरिया को मारने में सक्षम है। मेलबर्न स्थित मोनाश विश्वविद्यालय ने आज कहा कि यह पहली बार है जब किसी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एआई का इस्तेमाल कर जैविक प्रोटीन बनाया है। इस उपलब्धि से ऑस्ट्रेलियाई टीम अधिक किरायेवी दवा बनाने और बीमा रियों के निदान के लिए अनेक प्रकार के प्रोटीन तेजी से विकसित करने वाले अमेरिका और चीन जैसे देशों की कतार में आ गई है। मोनाश विश्वविद्यालय के

■ एआई ने प्रोटीन इंजीनियरिंग को दशकों से घटाकर सेकंडों में ला दिया है

एक बयान के मुताबिक टीम ने उन्नत एआई-संचालित उपकरणों का उपयोग करके एआई प्रोटीन डिजाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया है। इसमें हाल ही में विकसित साफ्टवेयर भी शामिल है जो दवा और चिकित्सकीय प्रयोगों के लिए प्रोटीन बनाने में सक्षम है। इस शोध दल के प्रमुख मोनाश विश्वविद्यालय में पीएचडी छात्र डैनियल फॉक्स ने कहा इन उपकरणों का इस्तेमाल कर हम प्रोटीन को एक विशिष्ट लक्ष्य या अणु अथवा रसायन के रूप में

बांधने के लिए डिजाइन कर सकते हैं। इसकी मदद से बेहतर गतिविधि और स्थिर गुणों वाले एंजाइम डिजाइन कर सकते हैं। शोध के सह-प्रमुख लेखक राइस ग्रिटर के अनुसार यह खोज अमेरिकी जैव रसायन और नोबेल पुरस्कार विजेता डेविड बेकर के अग्रणी कार्य पर आधारित है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित इस अध्ययन में बताया गया है कि एआई ने प्रोटीन इंजीनियरिंग को दशकों से घटाकर सेकंडों में ला दिया है जिससे संक्रमण, कैंसर, सर्पदंश और अन्य बीमारियों के इलाज में तेजी आई है।



हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध का मामला चलेगा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर गुरुवार को बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल (आईटीसी) ने मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में आरोप तय किए। हसीना के अलावा देश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमा खान कमाल और पूर्व आईजीपी चौधरी अब्दुल्लाह अल मामून को सह-आरोपी बनाया गया है। मुकदमे की सुनवाई 3 अगस्त से शुरू होगी। मामून ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है, और मामले में सरकारी गवाह बनने के लिए याचिका दायर की है। मामून फिलहाल जेल में हैं, ए मुकदमा बाकी दो आरोपियों की गैर मौजूदगी में चलेगा। आईटीसी ने हसीना के खिलाफ अब तक 5 मामले दर्ज किए हैं। इसमें 1400 लोगों की हत्या, भीड़ को उकसाना और सरकारी ताकतों का गलत इस्तेमाल शामिल हैं।

■ प्रदर्शन कर रहे 1400 लोगों की हत्या का आरोप बांग्लादेश के पूर्व पुलिस प्रमुख ने जुर्म कबूला

अगस्त, 2024 में तख्तापलट के बाद से हसीना भारत में रह रही हैं। क्रिमिनल ट्रिब्यूनल ने 6 जनवरी, 2025 को 11 और लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। देश के पूर्व आईजीपी चौधरी अब्दुल्लाह अल मामून ने कोर्ट में सरकारी गवाह बनने के लिए याचिका दायर की है। बांग्लादेश में 5 जून, 2024 को बांग्लादेश हाईकोर्ट ने जांव में 30 प्रतिशत कोटा सिस्टम लागू किया था, इस आरक्षण के खिलाफ ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। हालांकि, हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था।

रूसी सेना को मिली सुखोई जहाजों की एक और खेप

मॉस्को। यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझी रूसी फौज को जंगी जहाज सुखोई-34 की एक और खेप मिल गई है। इन जहाजों को बनाने का काम यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) के पास है। यूएसी की मूल कंपनी रोस्टक ने गुरुवार को बताया कि रक्षा मंत्रालय को लड़ाकू बमवर्षक सुखोई-34 की पांचवीं खेप सौंप दी गई है। रोस्टक ने एक पायलट के हवाले से कहा कि सुखोई-34 की ताकत यह है कि यह कई तरह के कार्यों को बखूबी अंजाम दे सकता है। खासतौर पर इसके हथियारों की रेंज और लड़ाकू अभियानों की रणनीति देने के तरीका विशिष्ट है।

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty
Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डीपीपीटी • ऑप्टोमेट्री • ओपीटी टेक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम
92, उत्तरी सबट गेट, मुजफ्फरनगर
8899777782
मो: **9897640744**
अखबार की कटिंग साथ लाने वाले को 5000 की छूट

झाईयों व दाग-धब्बों के लिए अचूक उपाय
असर केवल 7 दिनों में
गोरेपन की क्रीम
ROOP RAKSHAK ultra 3D
for soft smooth & glowing skin cream
Detonothione, Cordenin & Vitamin C
Detonothione, Cordenin & Vitamin C
ROOP RAKSHAK
रूप रक्षक क्रीम की विशुद्धताई
झाईयां, दाग धब्बे, कीले मुहासे व रंग साफ करने के लिए असरकारक पायों परीयों वाला रूप व रंग अपनारूप रक्षक क्रीम
Customer Care No. +91-9457717311

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस करें एडमिशन के लिए सम्पर्क करें
• रशिया • जॉर्जिया • कजाखस्तान • किर्गिस्तान • उरुबेकिस्तान • बांग्लादेश • नेपाल • चाइना • ईरान • इजिप्ट • यू.के. • कनाडा • यू.एस.ए. और भी देशों से
अनुम कलीम (एम.डी.) **8384872313** **9457439020**
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
• Top Govt. Universities.
• MCI, WHO Approved Universities.
• Indian Hostel & Mess Available.
• Lowest Price Packages.
• Boys/Girls Hostels Are Separates Available.
अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें जिसमें ट्यूशन फीस, होस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्डरी, एफ.एम.जी. ई. कॉर्रिग, 15 इंडियन बेस्ट फेकल्टी के द्वारा दी जा रही है 471 बच्चे जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुए (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbjnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURANA, CHANSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)